EXCLUSIVE CALENDARS

CATALOGUE

2023

Jalan® DIARY

Estd. 1969

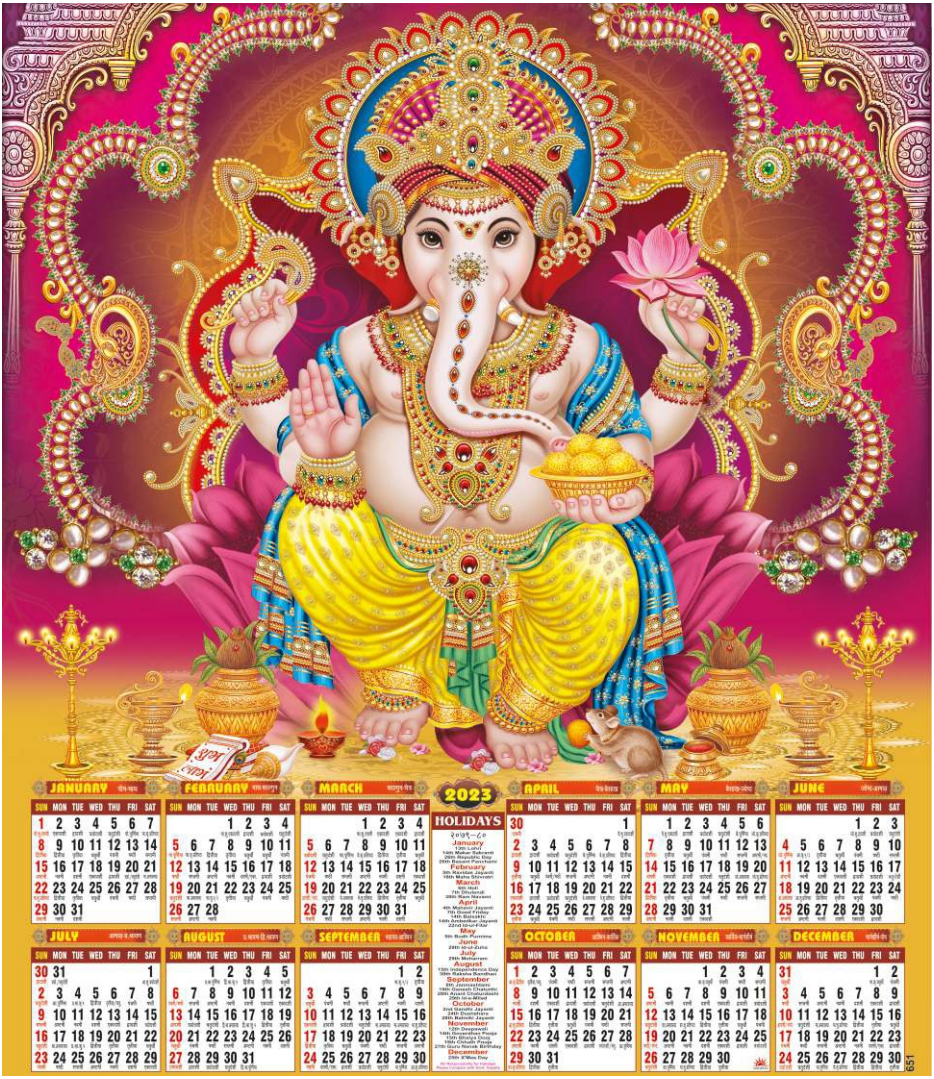

JANUARY
FEBRUARY
MARCH
2023
APRIL
MAY
JUNE
HOLIDAYS
January
13th Lohri
14th Makar Sakranti
26th Republic Day
26th Basant Panchami
February
5th Ravidas Jayanti
18th Maha Shivratri
March
8th Holi
7th Dhulandi
30th Ram Navami
April
4th Mahavir Jayanti
7th Good Friday
14th Baisakhi
14th Ambedkar Jayanti
22nd Id-ul-Fitar
May
5th Budh Purnima
June
29th Id-ul-Zuha
July
29th Moharram
August
15th Independence Day
30th Raksha Bandhan
September
6th Janmashtami
19th Ganesh Chaturthi
28th Anant Chaturdashi
29th Id-e-Milad
October
2nd Gandhi Jayanti
24th Dushehara
28th Balmiki Jayanti
November
12th Deepawali
14th Goverdhan Pooja
15th Bhaiya Dooj
19th Chhath Pooja
27th Guru Nanak Birthday
December
25th X'Mas Day
JULY
AUGUST
SEPTEMBER
OCTOBER
NOVEMBER
DECEMBER
SUN MON TUE WED THU FRI SAT
651

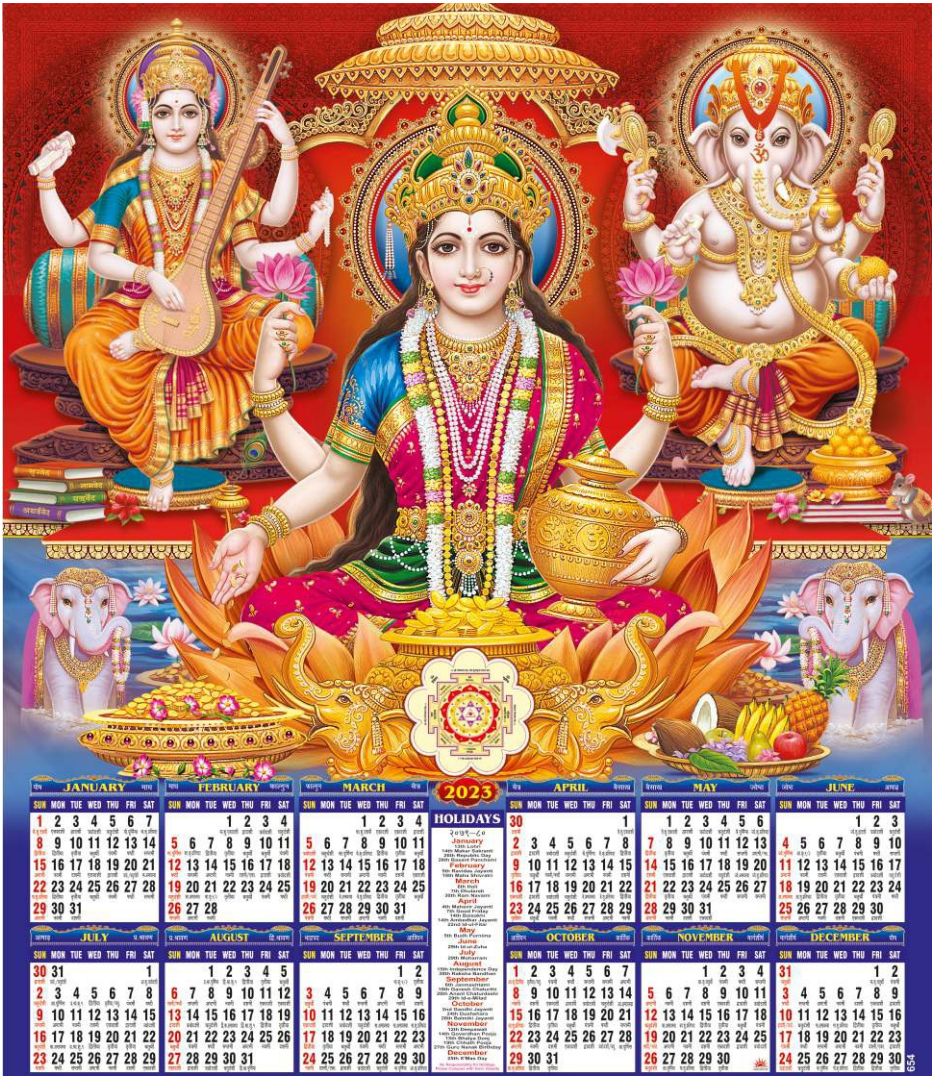

2023

JANUARY (पौष / माघ)

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

FEBRUARY (माघ / फाल्गुन)

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

MARCH (फाल्गुन / चैत्र)

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

HOLIDAYS

[illegible]

January
13th Lohri
14th Makar Sakranti
26th Republic Day
26th Basant Panchami

February
5th Ravidas Jayanti
18th Maha Shivratri

March
8th Holi
7th Dhulandi
30th Ram Navami

April
4th Mahavir Jayanti
7th Good Friday
14th Baisakhi
14th Ambedkar Jayanti
22nd Id-ul-Fitar

May
5th Budh Purnima

June
29th Id-ul-Zuha

July
29th Moharram

August
15th Independence Day
30th Raksha Bandhan

September
6th Janmashtami
19th Ganesh Chaturthi
28th Anant Chaturdashi
29th Id-e-Milad

October
2nd Gandhi Jayanti
24th Dushahara
28th Balmiki Jayanti

November
12th Deepawali
14th Govardhan Pooja
15th Bhaiya Dooj
19th Chhath Pooja
27th Guru Nanak Birthday

December
25th X'Mas Day

[illegible]

APRIL (चैत्र / वैशाख)

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

MAY (वैशाख / ज्येष्ठ)

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

JUNE (ज्येष्ठ / आषाढ़)

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

JULY (आषाढ़ / प्र.श्रावण)

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

AUGUST (प्र.श्रावण / द्वि.श्रावण)

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

SEPTEMBER (भाद्रपद / आश्विन)

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

OCTOBER (आश्विन / कार्तिक)

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

NOVEMBER (कार्तिक / मार्गशीर्ष)

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

DECEMBER (मार्गशीर्ष / पौष)

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

654

आरती श्री लक्ष्मी जी की

ओ३म् जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता। तुमको निशिदिन सेवत, हर विष्णु विधाता ।। ओ३म्
उमा, रमा, ब्रह्माणी, तुम ही जग-माता। सूर्य-चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ।। ओ३म्
दुर्गा रूप निरंजनि, सुख-सम्पत्ति दाता। जो कोई तुमको ध्याता, ऋद्धि सिद्धि धन पाता ।। ओ३म्
तुम पाताल-निवासिनि, तुम ही शुभदाता। कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनि, भवनिधि की त्राता ।। ओ३म्
जिस घर में तुम रहती, सब सद्गुण आता। सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता ।। ओ३म्
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता। खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता ।। ओ३म्
शुभ-गुण मंदिर सुन्दर, क्षीरो दधि-जाता। रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता ।। ओ३म्
महालक्ष्मी जी की आरती, जो कोई जन गाता। उर आनन्द आता, पाप उतर जाता ।। ओ३म्

श्री लक्ष्मी-वन्दना :- महालक्ष्मी नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं सुरेश्वरि। हरिप्रिये नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं दयानिधे।

656

कूष्माण्डा
स्कन्दमाता
चन्द्रघण्टा
कात्यायनी
ब्रह्मचारिणी
कालरात्रि
शैलपुत्री
महागौरी
2023
HOLIDAYS
JAN
FEB
MAR
APR
MAY
JUN
JUL
AUG
SEP
OCT
NOV
DEC

श्री दुर्गा चालीसा

नमो नमो दुर्गे सुख करनी।
नमो नमो दुर्गे दुःख हरनी।।
निरंकार है ज्योति तुम्हारी।
तिहुँ लोक फैली उजियारी।।
शशिललाट मुख महाविशाला।
नेत्र लाल भृकुटिकराला।।
रूप मातु को अधिक सुहावे।
दरशकरत जन अति सुख पावे।।
तुम संसार शक्ति लय कीन्हा।
पालन हेतु अन्नधन दीन्हा।।
अन्नपूर्णा हुई जग पाला।
तुम ही आदि सुन्दरी बाला।।
प्रलय काल सब गायन हारी।
तुम गौरी शिव शंकर प्यारी।।
शिवयोगी तुम्हरो यश गावैं।
ब्रह्मा विष्णु तुम्हें नित ध्यावैं।।
रूप सरस्वती को तुम धारा।
दे सुबुद्धि ऋषि मुनिन उबारा।।
धरा रूप नरसिंह का अम्बा।
परगट भई फाड़ के खम्बा।।

रक्षा करि प्रहलाद बचायो।
हिरण्याकुश को स्वर्ग पठायो।।
लक्ष्मी रूप धरो जगमाही।
श्री नारायण अंग समाही।।
श्री सिंधु में करत विलासा।
दया सिन्धु दीजै मन आसा।।
हिंगलाज में तुम्हीं भवानी।
महिमा अमित न जात बखानी।।
मातंगी धूमावति माता।
भुवनेश्वरी बगला सुखदाता।।
श्री भैरवतारा जगतारिणि।
छिन्न भाल भव दुःख निवारिणी।।
केहरि वाहन सोह भवानी।
लांगुर वीर चलत अगवानी।।
कर में खप्पर खड्ग विराजै।
जाको देख काल डर भाजै।।
सोहे अस्त्र और त्रिशूला।
जाते उठत शत्रु हिय शूला।।
नगरकोट में तुम्ही विराजत।
तिहुँ लोक में डंका बाजत।।

शुम्भ-निशुम्भ दानव तुम मारे।
रक्त बीज शंखन संहारे।।
महिषासुरनृप अति अभिमानी।
जेहि अघभार मही अकुलानी।।
रूप कराल काली को धारा।
सेन सहित तुम तिहि संहारा।।
परी गाढ़ संतनपर जब-जब।
भई सहाय मातु तुम तब तब।।
अमरपुरी औरी सबलोका।
तब महिमा सब रहे अशोका।।
ज्वाला में है ज्योति तुम्हारी।
तुम्हें सदा पूजें नर-नारी।।
प्रेम भक्ति से जो यश गावै।
दुःख दारिद्र निकट नहीं आवै।।
ध्यावै तुम्हे जो नर मनलाई।
जन्ममरण को छुटि जाई।।
योगी सुर मुनि कहत पुकारी।
योग न होय बिन शक्ति तुम्हारी।।
शंकर आचारज तप कीन्हो।
काम क्रोध जीति सब लीन्हो।।

निशिदिन ध्यान धरो शंकर को।
काहु काल नहिं सुमिरो तुमको।।
शक्ति रूप को मरम न पायो।
शक्ति गई तब मन पछितायो।।
शरणागत हुई कीर्ति बखानी।
जै जै जै जगदम्ब भवानी।।
भई प्रसन्न आदि जगदम्बा।
दई शक्ति नहीं कीन विलम्बा।।
मोको मातु कष्ट अति घेरो।
तुम बिन कौन हरै दुःख मेरो।।
आशा तृष्णा निपट सतावै।
रिपु मूरख मोहि अति डरपावै।।
शत्रु नाश कीजै महारानी।
सुमिरौं इक चित तुम्हें भवानी।।
करो कृपा हे मातु दयाला।
ऋद्धि सिद्धि दे करहु निहाला।।
जब लगि जिऊँ दया फल पाऊँ।
तुम्हारो जस मैं सदा सुनाऊँ।।
दुर्गा चालीसा जो कोई गावै।
सब सुख भोग परम पद पावै।।
देवी दास शरण निज जानी।
करहु कृपा जगदम्ब भवानी।।

659

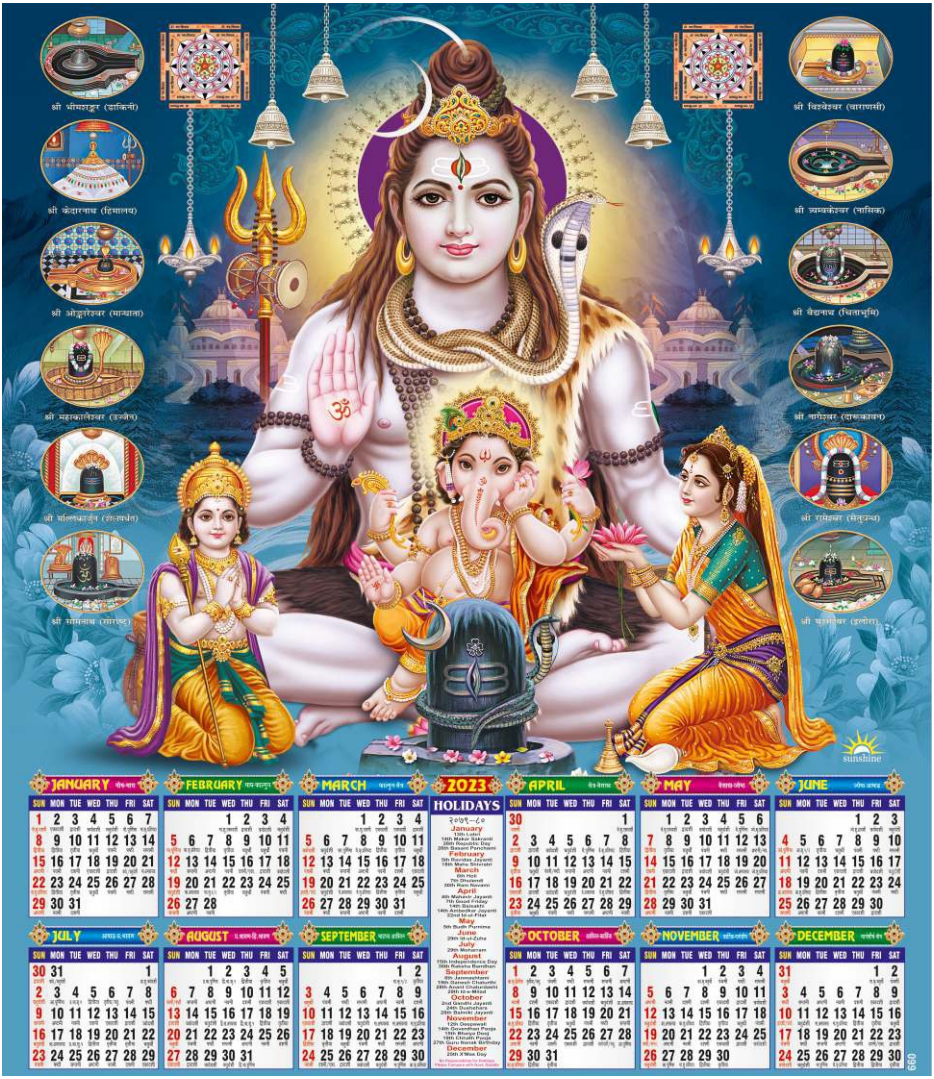

2023

JANUARY

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

FEBRUARY

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

MARCH

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

HOLIDAYS

२०७९–८०

January
13th Lohri
14th Makar Sakranti
26th Republic Day
26th Basant Panchami

February
5th Ravidas Jayanti
18th Maha Shivratri

March
8th Holi
7th Dhulandi
30th Ram Navami

April
4th Mahavir Jayanti
7th Good Friday
14th Baisakhi
14th Ambedkar Jayanti
22nd Id-ul-Fitar

May
5th Budh Purnima

June
29th Id-ul-Zuha

July
29th Moharram

August
15th Independence Day
30th Raksha Bandhan

September
6th Janmashtami
19th Ganesh Chaturthi
28th Anant Chaturdashi
28th Id-e-Milad

October
2nd Gandhi Jayanti
24th Dushehara
28th Balmiki Jayanti

November
12th Deepawali
14th Govardhan Pooja
15th Bhaiya Dooj
19th Chhath Pooja
27th Guru Nanak Birthday

December
25th X'Mas Day

APRIL

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

MAY

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

JUNE

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

JULY

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

AUGUST

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

SEPTEMBER

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

OCTOBER

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

NOVEMBER

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

DECEMBER

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

660

महामृत्युन्जय संजीवनी मन्त्र

ऊँ हौं जुँ स: ऊँ भूर्भुव स्व:। ऊँ त्रयंबकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टि वर्धनम्। उर्वारूकमिव बन्धनात् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॥ स्व: भूर्भुव ऊँ स: जुँ हौं ऊँ।

भावार्थ :- हम भगवान शंकर की पूजा करते हैं, जिनके तीन नेत्र हैं, जो प्रत्येक श्वास में जीवन शक्ति का संचार करते हैं, जो सम्पूर्ण जगत का पालन पोषण अपनी शक्ति से कर रहे हैं। उनसे हमारी प्रार्थना है कि वे हमें मृत्यु के बन्धनों से मुक्त कर दें, जिससे मोक्ष की प्राप्ति हो जावे, जिस प्रकार एक ककड़ी बेल में पक जाने के बाद उस बेल रूपी संसार के बन्धन से मुक्त हो जाती है उसी प्रकार हम भी इस संसार रूपी बेल में पक जाने के बाद जन्म-मृत्यु के बन्धनों से सदैव के लिए मुक्त हो जाएँ और आपके चरणों की अमृतधारा का पान करते हुए शरीर को त्याग कर आप में लीन हो जावें।

मन्त्र लाभ :- ❖ यह मंत्र जीवन प्रदान करता है। (अकाल मृत्यु, दुर्घटना इत्यादि) ❖ यह मंत्र सर्प एवं बिच्छु के काटने पर भी अपना पूरा प्रभाव रखता है। ❖ इस मंत्र का महत्वपूर्ण लाभ है कठिन एवं असाध्य रोगों पर विजय प्राप्त करना। ❖ यह मंत्र हर बीमारी को भगाने का बड़ा शस्त्र है।

श्री शिव चालीसा

श्री गणेश गिरिजा सुमन, मंगल मूल सुजान। कहत अयोध्यादास तुम, देहु अभय वरदान॥

जय गिरिजापति दीन दयाला।
सदा करत सन्तन प्रतिपाला॥
भाल चन्द्रमा सोहत नीके।
कानन कुण्डल नागफनी के॥
अंग गौर शिर गंग बहाये।
मुण्डमाल तन छार लगाये॥
वस्त्र खाल बाघम्बर सोहे।
छवि को देख नाग मुनि मोहे।
मैना मातु की होवे दुलारी।
बाम अंग सोहत छवि न्यारी॥
कर त्रिशूल सोहत छवि भारी।
करत सदा शत्रुन क्षयकारी॥
नन्दि गणेश सोहैं तहँ कैसे।

सागर मध्य कमल हैं जैसे॥
कार्तिक श्याम और गणराऊ।
या छवि को कहि जात न काऊ॥
देवन जबहीं जाय पुकारा।
तबहीं दु:ख प्रभु आप निवारा॥
किया उपद्रव तारक भारी।
देवन सब मिलि तुमहिं जुहारी॥
तुरत षडानन आप पठायउ।
लव निमेष महँ मारि गिरायउ॥
आप जलन्धर असुर संहारा।
सुयश तुम्हार विदित संसारा॥
त्रिपुरासुर सन युद्ध मचाई।
सबहिं कृपा कर लीन बचाई॥

किया तपहिं भागीरथ भारी।
पूरब प्रतिज्ञा तासु पुरारी॥
दानिन महँ तुम सम कोउ नाहीं।
सेवक स्तुति करत सदाहीं॥
वेद नाम महिमा तव गाई।
अकथ अनादि भेद नहिं पाई॥
प्रगट उदधि मन्थन में ज्वाला।
जरत सुरासुर भये विहाला॥
कीन्ही दया तहँ करी सहाई।
नीलकंठ तब नाम कहाई॥
पूजन रामचन्द्र जब कीन्हा।
जीत के लंक विभीषण दीन्हा॥
सहस कमल में हो रहे धारी।

कीन्ह परीक्षा तबहिं पुरारी॥
एक कमल प्रभु राखेउ जोई।
कमल नयन पूजन चहँ सोई॥
कठिन भक्ति देखी प्रभु शंकर।
भये प्रसन्न दिये इच्छित वर॥
जय जय जय अनन्त अविनाशी।
करत कृपा सब के घटवासी॥
दुष्ट सकल नित मोहि सतावैं।
भ्रमत रहौं मोहि चैन न आवै॥
त्राहि-त्राहि मैं नाथ पुकारो।
यहि अवसर मोहि आन उबारो॥
लै त्रिशूल शत्रुन को मारो।
संकट से मोहि आन उबारो॥

मात-पिता भ्राता सब होई।
संकट में पूछत नहिं कोई॥
स्वामी एक है आस तुम्हारी।
आय हरहु मम संकट भारी॥
धन निर्धन को देत सदाहीं।
जो कोई जांचे सो फल पाहीं॥
स्तुति केहि विधि करैं तुम्हारी।
क्षमहु नाथ अब चूक हमारी॥
शंकर हो संकट के नाशन।
मंगल कारण विघ्न विनाशन॥
योगी यति मुनि ध्यान लगावैं।
नारद शारद शीश नवावैं॥
नमो नमो जय नमो शिवाय।

सुर ब्रह्मादिक पार न पाय॥
जो यह पाठ करे मन लाई।
ता पर होत है शम्भु सहाई॥
ऋनिया जो कोई हो अधिकारी।
पाठ करे सो पावन हारी॥
पुत्र हीन कर इच्छा कोई।
निश्चय शिव प्रसाद तेहि होई॥
पण्डित त्रयोदशी को लावे।
ध्यान पूर्वक होम करावे॥
त्रयोदशी व्रत करे हमेशा।
तन नहिं ताके रहे कलेशा॥
धूप दीप नैवेद्य चढ़ावे।
शंकर सम्मुख पाठ सुनावे॥
जन्म जन्म के पाप नसावे।
अन्तवास शिवपुर में पावे॥

दोहा : नित नेम उठि प्रात: ही, पाठ करों चालीस। तुम मेरी मनोकामना, पूर्ण करो जगदीश॥ मगंसर छठी हेमन्त ऋतु संवत चौंसठ जान, स्तुति चालीसा शिवहि, पूर्ण कीन कल्याण॥

662

JANUARY
FEBRUARY
MARCH
APRIL
MAY
JUNE
JULY
AUGUST
SEPTEMBER
OCTOBER
NOVEMBER
DECEMBER
SUN MON TUE WED THU FRI SAT
HOLIDAYS 2023 २०७९—८०
January
13th Lohri
14th Makar Sakranti
26th Republic Day
26th Basant Panchami
February
18th Maha Shivratri
March
8th Holi
7th Dhulendi
30th Ram Navami
April
4th Mahavir Jayanti
7th Good Friday
14th Baisakhi
14th Ambedkar Jayanti
22nd Id-ul-Fitar
May
5th Budh Purnima
June
29th Id-ul-Zuha
July
29th Moharram
August
15th Independence Day
30th Raksha Bandhan
September
6th Janmashtami
19th Ganesh Chaturthi
28th Anant Chaturdashi
28th Id-e-Milad
October
2nd Gandhi Jayanti
24th Dushehara
28th Balmiki Jayanti
November
12th Deepawali
14th Goverdhan Pooja
15th Bhaiya Dooj
19th Chhath Pooja
27th Guru Nanak Birthday
December
25th X'Mas Day
663

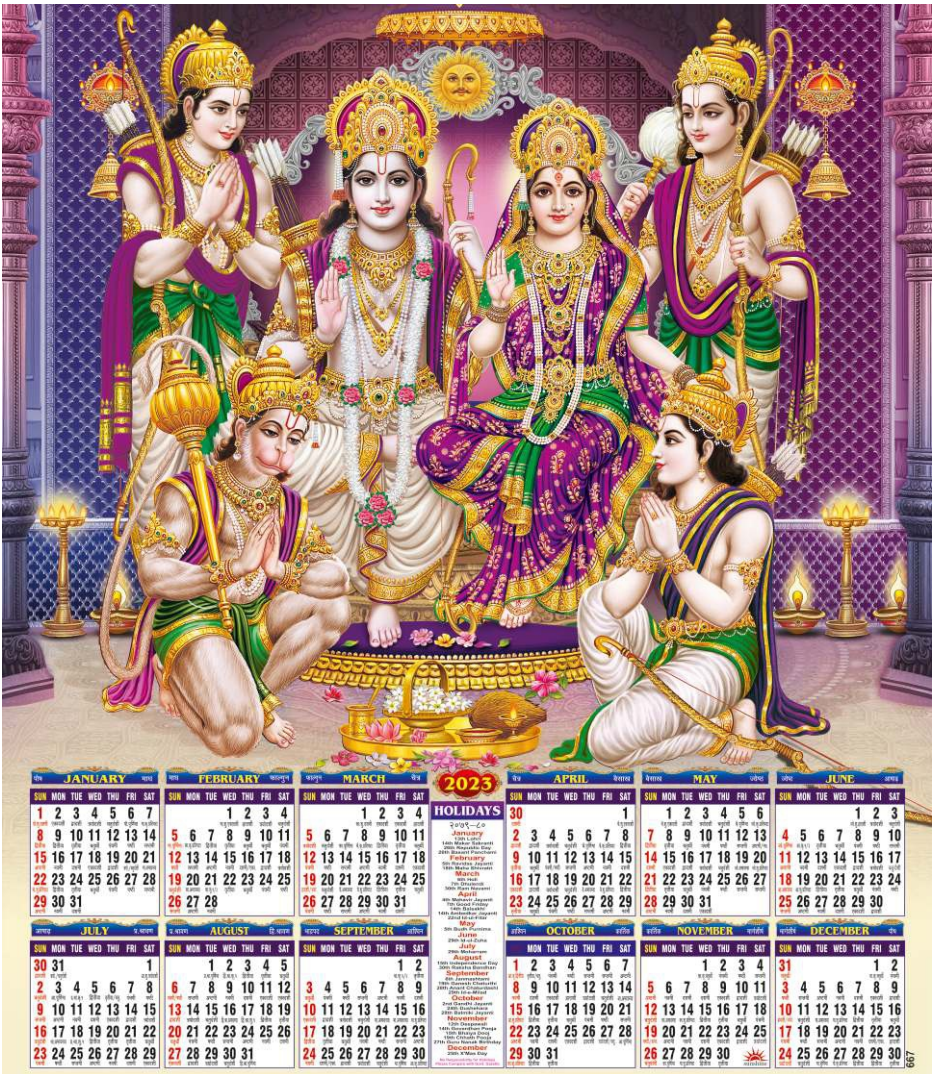

2023

JANUARY

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

FEBRUARY

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

MARCH

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

HOLIDAYS

२०७९–८०

January
13th Lohri
14th Makar Sakranti
26th Republic Day
26th Basant Panchami

February
5th Ravidas Jayanti
18th Maha Shivratri

March
8th Holi
7th Dhulendi
30th Ram Navami

April
4th Mahavir Jayanti
7th Good Friday
14th Baisakhi
14th Ambedkar Jayanti
22nd Id-ul-Fitar

May
5th Budh Purnima

June
29th Id-ul-Zuha

July
29th Moharram

August
15th Independence Day
30th Raksha Bandhan

September
6th Janmashtami
19th Ganesh Chaturthi
28th Anant Chaturdashi
29th Id-e-Milad

October
2nd Gandhi Jayanti
24th Dushehara
28th Balmiki Jayanti

November
12th Deepawali
14th Govardhan Pooja
15th Bhaiya Dooj
19th Chhath Pooja
27th Guru Nanak Birthday

December
25th X'Mas Day

No Responsibility for Holidays Please Compare with Govt. ...

APRIL

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

MAY

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

JUNE

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

JULY

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

AUGUST

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

SEPTEMBER

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

OCTOBER

	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

NOVEMBER

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

DECEMBER

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

667

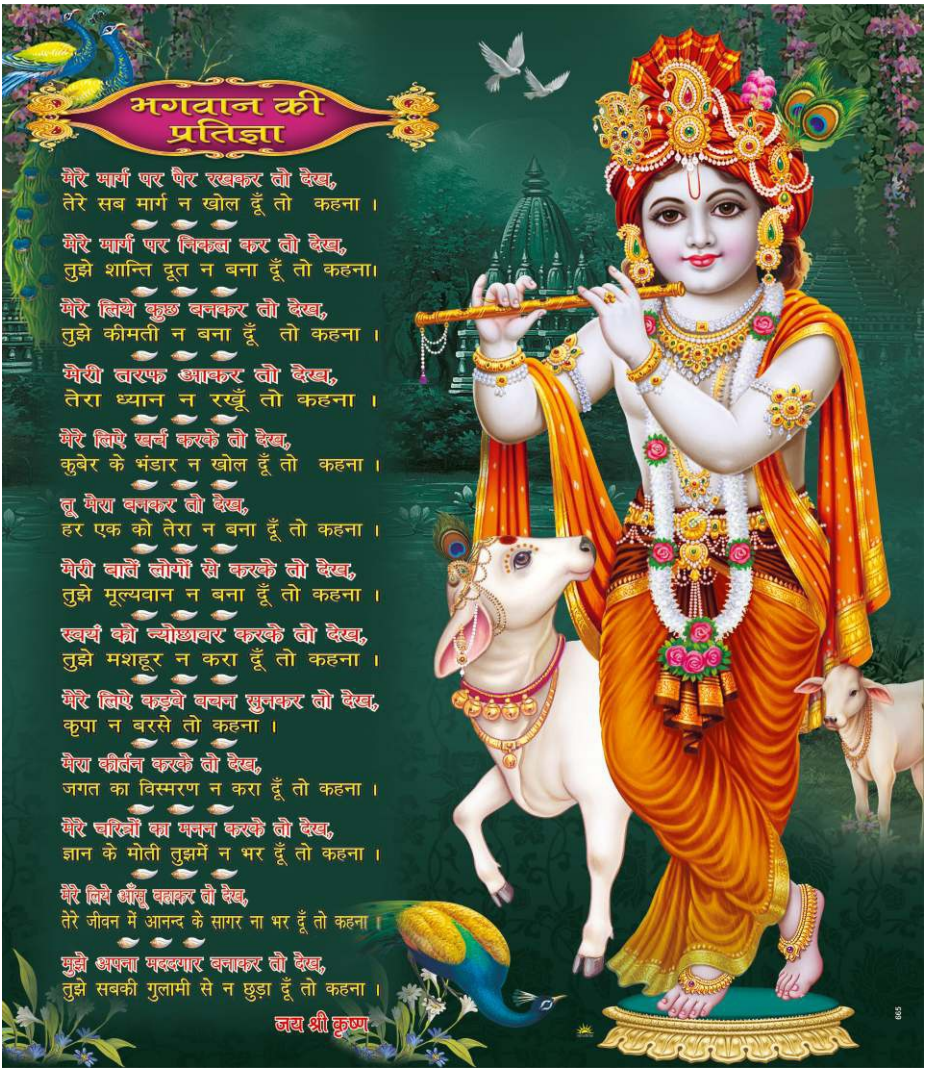
भगवान की प्रतिज्ञा
मेरे मार्ग पर पैर रखकर तो देख,
तेरे सब मार्ग न खोल दूँ तो कहना ।
मेरे मार्ग पर निकल कर तो देख,
तुझे शान्ति दूत न बना दूँ तो कहना।
मेरे लिये कुछ बनकर तो देख,
तुझे कीमती न बना दूँ तो कहना ।
मेरी तरफ आकर तो देख,
तेरा ध्यान न रखूँ तो कहना ।
मेरे लिये खर्च करके तो देख,
कुबेर के भंडार न खोल दूँ तो कहना ।
तू मेरा बनकर तो देख,
हर एक को तेरा न बना दूँ तो कहना ।
मेरी बातें लोगों से करके तो देख,
तुझे मूल्यवान न बना दूँ तो कहना ।
स्वयं को न्योछावर करके तो देख,
तुझे मशहूर न करा दूँ तो कहना ।
मेरे लिऐ कड़वे वचन सुनकर तो देख,
कृपा न बरसे तो कहना ।
मेरा कीर्तन करके तो देख,
जगत का विस्मरण न करा दूँ तो कहना ।
मेरे चरित्रों का मनन करके तो देख,
ज्ञान के मोती तुझमें न भर दूँ तो कहना ।
मेरे लिये आँसू बहाकर तो देख,
तेरे जीवन में आनन्द के सागर ना भर दूँ तो कहना ।
मुझे अपना मददगार बनाकर तो देख,
तुझे सबकी गुलामी से न छुड़ा दूँ तो कहना ।
जय श्री कृष्ण

जये श्रीराम
अनमोल वचन
आँखों में क्या है?
पिता की आँखों में फर्ज़
माता की आँखों में ममता
भाई की आँखों में प्यार
बहन की आँखों में स्नेह
अमीर की आँखों में घमण्ड
गरीब की आँखों में आशा
मित्र की आँखों में सहयोग
दुश्मन की आँखों में बदला
सज्जन की आँखों में दया
शिष्य की आँखों में आदर
संत वचन
जीतने की कोई चीज़ है तो प्रेम
पीने की कोई चीज़ है तो क्रोध
खाने की कोई चीज़ है तो ग़म
देने की कोई चीज़ है तो दान
दिखाने की कोई चीज़ है तो दया
लेने की कोई चीज़ है तो ज्ञान
कहने की कोई चीज़ है तो सत्य
रखने की कोई चीज़ है तो इज्जत
फेंकने की कोई चीज़ है तो ईर्ष्या
छोड़ने की कोई चीज़ है तो मोह
सुखी जीवन के लिए बड़ों का आशीर्वाद जरूरी है।
इस तरह न कमाओ कि पाप हो जाए। इस तरह न खर्च करो कि कर्ज़ा हो जाए।
इस तरह न खाओ की मर्ज़ हो जाए। इस तरह न बोलो कि क्लेश हो जाए।
इस तरह न चलो कि देर हो जाए। इस तरह न सोचो कि चिंता हो जाए।
धन से
धन से पुस्तकें मिलती हैं किन्तु ज्ञान नहीं। धन से आभूषण मिलता है किन्तु रूप नहीं।
धन से सुख मिलता है किन्तु आनन्द नहीं। धन से साथी मिलते हैं किन्तु सच्चे मित्र नहीं।
धन से भोजन मिलता है किन्तु भूख नहीं। धन से दवा मिलती है किन्तु स्वास्थ्य नहीं।
धन से एकान्त मिलता है किन्तु शान्ति नहीं। धन से बिस्तर मिलता है किन्तु नींद नहीं।
आज का आदमी
आश्रय देने पर सिर चढ़ जाता है। उपदेश देने पर मुड़कर बैठता है।
आदर करने पर खुशामद समझता है। उपकार करने पर अस्वीकार करता है।
विश्वास करने पर हानि पहुँचाता है। क्षमा करने पर दुर्बल समझता है।
प्यार करने पर आघात करता है। क्या यह चरित्र उचित है?
सत्य से कमाया "धन" हर प्रकार से सुख देता है। छल व कपट से कमाया "धन" दुःख ही दुःख देता है।
667

श्री हनुमान चालीसा

श्री गुरू चरन सरोज रज, निज मनु मुकुरु सुधारि । बरनऊँ रघुवर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि ।। बुद्धिहीन तनु जानिके, सुमिरौं पवन-कुमार । बल बुद्धि विद्या देहु मोंहि, हरहु कलेश विकार ।।

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर ।
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर ।।
रामदूत अतुलित बल धामा ।
अंजनि पुत्र पवनसुत नामा ।।
महाबीर बिक्रम बजरंगी ।
कुमति निवार सुमति के संगी ।।
कंचन बरन बिराज सुबेसा ।
कानन कुंडल कुंचित केसा ।।
हाथ बज्र आरू ध्वजा बिराजे ।
काँधे मूँज जनेऊ साजे ।।
शंकर सुवन केसरी नंदन ।
तेज प्रताप महा जग वंदन ।।
विद्यावान गुनी अति चातुर ।
राम काज करिबे को आतुर ।।
प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया ।
राम लखन सीता मन बसिया ।।

सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा ।
विकट रूप धरि लंक जरावा ।।
भीम रूप धरि असुर सँहारे ।
रामचन्द के काज सँवारे ।।
लाय संजीवन लखन जियाये ।
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये ।।
रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई ।
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई ।।
सहस बदन तुम्हरो जस गावै ।
अस कहि श्रीपति कंठ लगावै ।।
सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा ।
नारद सारद सहित अहीसा ।।
जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते ।
कवि कोबिद कहि सकै कहाँ ते ।।
तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा ।
राम मिलाय राज पद दीन्हा ।।

तुम्हरो मन्त्र बिभीषण माना ।
लंकेश्वर भए सब जग जाना ।।
जुग सहस्त्र जोजन पर भानू ।
लील्यो ताहि मधुर फल जानू ।।
प्रभु मुदिका मेलि मुख माही ।
जलधि लाँघि गये अचरज नाही ।।
दुर्गम काज जगत के जेते ।
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते ।।
राम दुआरे तुम रखवारे ।
होत न आज्ञा बिनु पैसारे ।।
सब सुख लहै तुम्हारी सरना ।
तुम रक्षक काहु को डरना ।।
आपन तेज सम्हारो आपै ।
तीनों लोक हाँक ते काँपै ।।
भूत पिसाच निकट नहिं आवै ।
महाबीर जब नाम सुनावै ।।

नासै रोग हरै सब पीरा ।
जपत निरंतर हनुमत बीरा ।।
संकट तें हनुमान छुड़ावै ।
मन क्रम बचन ध्यान जो लावै ।।
सब पर राम तपस्वी राजा ।
तिनके काज सकल तुम साजा ।।
और मनोरथ जो कोई लावै ।
सोई अमित जीवन फल पावै ।।
चारों जुग प्रताप तुम्हारा ।
है परसिद्ध जगत उजियारा ।।
साधु संत के तुम रखवारे ।
असुर निकंदन राम दुलारे ।।
अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता ।
अस बर दीन जानकी माता ।।
राम रसायन तुम्हरे पासा ।
सदा रहो रघुपति के दासा ।।

तुम्हरे भजन राम को पावै ।
जनम जनम के दुःख बिसरावै ।।
अंत काल रघुबर पुर जाई ।
जहाँ जन्म हरि-भक्त कहाई ।।
और देवता चित्त न धरई ।
हनुमत सेइ सर्व सुख करई ।।
संकट कटै मिटै सब पीरा ।
जो सुमिरै, हनुमत बलबीरा ।।
जय जय जय हनुमान गोसाई ।
कृपा करहु गुरु देव की नाई ।।
जो सत बार पाठ कर कोई ।
छूटहि बंदि महा सुख होई ।।
जो यह पढ़े हनुमान चालीसा ।
होय सिद्धि साखी गौरीसा ।।
तुलसीदास सदा हरि चेरा ।
कीजै नाथ हृदय महँ डेरा ।।

दोहाः पवनतनय संकट हरन, मंगल मूरति रूप । राम लखन सीता सहित, हृदय बसहु सुर भूप ।।

JAN					
SUN	1	8	15	22	29
MON	2	9	16	23	30
TUE	3	10	17	24	31
WED	4	11	18	25	
THU	5	12	19	26	
FRI	6	13	20	27	
SAT	7	14	21	28	

FEB					
SUN		5	12	19	26
MON		6	13	20	27
TUE		7	14	21	28
WED	1	8	15	22	
THU	2	9	16	23	
FRI	3	10	17	24	
SAT	4	11	18	25	

MAR					
SUN		5	12	19	26
MON		6	13	20	27
TUE		7	14	21	28
WED	1	8	15	22	29
THU	2	9	16	23	30
FRI	3	10	17	24	31
SAT	4	11	18	25	

2023

Holidays

JANUARY
13 th Lohri
14 th Makar Sankranti
23 rd N.S.C Bose Jayanti
26 th Republic Day
26 th Basant Panchami
FEBRUARY
5 th Ravidas Jayanti
18 th Maha Shivratri
MARCH
8 th Holi
7 th Dhulandi
24 th Ramjan Start
30 th Ram Navami
APRIL
4 th Mahavir Jayanti
7 th Good Friday
14 th Baisakhi
14 th Ambedkar Jayanti
22 nd Id-ul-Fitr
MAY
5 th Budh Purnima
JUNE
29 th Id-ul-Zuha
JULY
29 th Moharram
AUGUST
15 th Independence Day
30 th Raksha Bandhan
SEPTEMBER
6 th Janmashtami
19 th Ganesh Chaturthi
19 th Jain Samvatsari
28 th Anant Chaturdashi
28 th Id-e-Milad
OCTOBER
2 nd Gandhi Jayanti
24 th Dushehara
28 th Balmiki Jayanti
NOVEMBER
10 th Dhanteras
12 th Deepawali
14 th Govardhan Pooja
15 th Bhaiya Dooj
19 th Chhath Pooja
27 th Guru Nanak Birthday
DECEMBER
25 th X'Mas Day

[illegible]

APR					
SUN	30	2	9	16	23
MON		3	10	17	24
TUE		4	11	18	25
WED		5	12	19	26
THU		6	13	20	27
FRI		7	14	21	28
SAT	1	8	15	22	29

MAY					
SUN		7	14	21	28
MON	1	8	15	22	29
TUE	2	9	16	23	30
WED	3	10	17	24	31
THU	4	11	18	25	
FRI	5	12	19	26	
SAT	6	13	20	27	

JUN					
SUN		4	11	18	25
MON		5	12	19	26
TUE		6	13	20	27
WED		7	14	21	28
THU	1	8	15	22	29
FRI	2	9	16	23	30
SAT	3	10	17	24	

JUL					
SUN	30	2	9	16	23
MON	31	3	10	17	24
TUE		4	11	18	25
WED		5	12	19	26
THU		6	13	20	27
FRI		7	14	21	28
SAT	1	8	15	22	29

AUG					
SUN		6	13	20	27
MON		7	14	21	28
TUE	1	8	15	22	29
WED	2	9	16	23	30
THU	3	10	17	24	31
FRI	4	11	18	25	
SAT	5	12	19	26	

SEP					
SUN		3	10	17	24
MON		4	11	18	25
TUE		5	12	19	26
WED		6	13	20	27
THU		7	14	21	28
FRI	1	8	15	22	29
SAT	2	9	16	23	30

OCT					
SUN	1	8	15	22	29
MON	2	9	16	23	30
TUE	3	10	17	24	31
WED	4	11	18	25	
THU	5	12	19	26	
FRI	6	13	20	27	
SAT	7	14	21	28	

NOV					
SUN		5	12	19	26
MON		6	13	20	27
TUE		7	14	21	28
WED	1	8	15	22	29
THU	2	9	16	23	30
FRI	3	10	17	24	
SAT	4	11	18	25	

DEC					
SUN	31	3	10	17	24
MON		4	11	18	25
TUE		5	12	19	26
WED		6	13	20	27
THU		7	14	21	28
FRI	1	8	15	22	29
SAT	2	9	16	23	30

674

2023

January

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

February

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

March

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

HOLIDAYS

January
13th Lohri
14th Makar Sakranti
26th Republic Day
26th Basant Panchami

February
5th Ravidas Jayanti
18th Maha Shivratri

March
8th Holi
7th Dhulendi
30th Ram Navami

April
4th Mahavir Jayanti
7th Good Friday
14th Baisakhi
14th Ambedkar Jayanti
22nd Id-ul-Fitar

May
5th Budh Purnima

June
29th Id-ul-Zuha

July
29th Moharram

August
15th Independence Day
30th Raksha Bandhan

September
6th Janmashtami
19th Ganesh Chaturthi
28th Anant Chaturdashi
28th Id-e-Milad

October
2nd Gandhi Jayanti
24th Dussehara
28th Balmiki Jayanti

November
12th Deepawali
14th Govardhan Pooja
15th Bhaiya Dooj
19th Chhath Pooja
27th Guru Nanak Birthday

December
25th X'Mas Day

No Responsibility for Holidays
Please Compare with Govt. Gazette

April

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

May

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

June

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

July

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

August

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

September

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

October

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

November

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

December

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

675

DEAR CUSTOMERS

It gives us immense pleasure to continue making
new range of Crystal Diamond Calendars
Jumbo Calendars, Magical Calendars
UV Glitter Wall Calendars, Table Calendars,
Office Date Calendars etc.
When you're aiming for Success, you need
reliable Partners.
You have a partner whose passion
and performance have been driving Printing forward
for over 32 years.
You can benefit from a unique range of products and services
consistently focused on one Single goal-customer satisfaction.

Wishing you happy & prosperous
new year

2023